भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3870

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना

3870. श्री बिप्लब कुमार देबः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में विभिन्न धार्मिक पर्यटन स्थलों में कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत त्रिपुरा राज्य के कितने धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन कर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 27 राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों में 1620.21 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 48 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग): स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर-पूर्व परिपथ के तहत, "अगरतला-सिपाहीजला-मेलाघर-उदयपुर- अमरपुर-तीर्थमुख-मंदिरघाट- डंबूर-नारिकेलकुंजा-गंडाचारा-अंबासा का विकास" और "सूरमाचेर्रा-उनाकोटी-जम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-नीरमहल- बॉक्सनगर-चोटाखोला- पिलक- अवंगचार्रा का विकास" नामक दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से अपनी संशोधित योजना के अंतर्गत त्रिपुरा राज्य में, अगरतला और उनाकोटि नामक दो स्थलों को चिह्नित किया है।

****

अनुबंध

श्री बिप्लब कुमार देब द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3870 के भाग (ख) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची (दिनांक 10.03.2025 तक की स्थिति के अनुसार) **(करोड़ रु. में)**

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी राशि	भौतिक प्रगति%	वित्तीय प्रगति%
आंध्र प्रदेश	1	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	27.77	100%	100%
	2	श्रीसैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08	100%	100%
	3	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वरी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	13.69	59%	25%
	4	अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	25.33	-	0%	0%
अरुणाचल प्रदेश	5	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	31.02	92%	82%
असम	6	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	29.80	100%	100%
बिहार	7	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62	29.62	100%	100%
	8	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	100%	100%
छत्तीसगढ़	9	मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	40.19	90%	83%
गोवा	10	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024-25	16.46	-	0%	0%
गुजरात	11	द्वारका का विकास	2016-17	10.46	10.46	100%	100%
	12	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36	100%	100%
	13	सोमनाथ में सैरगाह का विकास	2018-19	47.12	47.12	100%	100%
	14	अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	10.54	35%	21%
हरियाणा	15	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहिब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68	74%	71%
जम्मू और	16	हजरतबल दरगाह में विकास	2016-17	40.46	34.30	100%	85%

कश्मीर							
झारखंड	17	बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास	2018-19	36.79	34.95	100%	89%
कर्नाटक	18	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00	0%	0%
केरल	19	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016-17	45.19	45.19	100%	100%
मध्य प्रदेश	20	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73	89%	69%
	21	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93	100%	100%
महाराष्ट्र	22	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	45.41	29.93	93%	66%
मेघालय	23	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	27.78	100%	95%
मिजोरम	24	चिते वांग, जुआंगताई, रइक और आइजोल में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	13.18	29%	29%
नागालैंड	25	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	23.56	100%	93%
	26	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	15.45	72%	85%
ओडिशा	27	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00	-	20%
पंजाब	28	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40	100%	100%
	29	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	17.49	79%	55%
राजस्थान	30	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11	100%	80%
	31	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर का विकास	2024-25	22.58	-	0%	0%
सिक्किम	32	फोर पेट्रन सेंट, युकसोम में तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31	87%	85%
तमिलनाडु	33	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99	100%	100%
	34	वेलंकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86	100%	100%
तेलंगाना	35	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	33.07	72%	85%
	36	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	32.73	37%	53%
	37	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना	2022-23	41.38	8.43	29%	20%

		का विकास					
त्रिपुरा	38	त्रिपुर सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	34.43	28.01	79%	81%
उत्तर प्रदेश	39	वाराणसी का विकास -चरण-I	2015-16	18.73	18.73	100%	100%
	40	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98	100%	100%
	41	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02	100%	100%
	42	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36	100%	100%
	43	वाराणसी का विकास -चरण-II	2017-18	44.60	31.77	100%	71%
	44	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97	100%	78%
उत्तराखंड	45	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77	100%	100%
	46	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38	85%	68%
	47	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22	100%	18%
पश्चिम बंगाल	48	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	100%	78%

****